Roll No. .....

Total No. of Pages : 4

Total No. of Questions : 10

उत्तरमध्यमा द्वितीयखण्ड

विषय कोड : 828

सामान्य हिंदी

Paper VI

समय : 1½ घण्टे **पूर्णांक : 50**

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये : 3

   (*i*) रहीम का पूरा नाम ..... है ।

   (*ii*) सूरदास ने श्री कृष्ण के ..... का वर्णन किया है ।

   (*iii*) "मैं ऊष्मा-सी यहाँ रही" ..... अलंकार का उदाहरण है ।

2. सही विकल्प चुनकर लिखिये : 3

   (*i*) 'नर से नारायण' निबन्ध का लेखक कौन है ?

   (अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी

   (ब) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

   (स) बाबू गुलाबराय

   (द) आचार्य नरेन्द्र देव

   (*ii*) "देनहार कौउ और है" के द्वारा संकेत किया गया है :

   (अ) ईश्वर की ओर

   (ब) सम्राट अकबर की ओर

   (स) जनता की ओर

   (द) संसार की ओर

(*iii*) 'जागो फिर एक बार' कविता के रचयिता हैं –

(अ) सुमित्रानंदन पंत

(ब) सूर्यकांत त्रिपाठी

(स) बालकवि बैरागी

(द) जयशंकर प्रसाद

3. एक शब्द में उत्तर लिखिये : 3

(*i*) 'दावानल' में कौनसा समास है ?

(*ii*) जहाँ पहुँचा न जा सके ।

(*iii*) 'वागीश' में कौनसी सन्धि है ?

4. सत्य/असत्य छाँटकर लिखिये : 3

(*i*) देश में प्रजा के राज्य को राजतंत्र कहते हैं ।

(*ii*) जल-जल कर जीवन में अनुप्रास अलंकार है ।

(*iii*) 'पत्र जो इतिहास बन गये' के लेखक महात्मा गांधी हैं ।

5. छत्रसाल के बरछी की विशेषताएँ लिखिए । 3

6. निबंध किसे कहते हैं ? निबन्ध के भेद लिखिए । 3

7. शून्य के आविष्कार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । 3

8. (अ) 'सूरदास' **अथवा** 'मैथलीशरण गुप्त' में से किसी **एक** कवि का परिचय निम्न बिन्दुओं में दीजिए : 3

(*i*) **दो** रचनाएँ

(*ii*) भावपक्ष एवं कलापक्ष

(*iii*) साहित्य में स्थान ।

(ब) 'बाबू गुलाबराय' **अथवा** 'सुभद्रा कुमारी चौहान' में से किसी **एक** लेखक का परिचय दीजिए : 3

(*i*) **दो** रचनाएँ

(*ii*) भाषा-शैली

(*iii*) साहित्य में स्थान ।

9. (अ) पद्यांश की व्याख्या सप्रसंग कीजिये : 4

साजि चतुरंग सैन अंग में उमंग धारि,

सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है ।

भूषन भनत नाद बिहद नगारन के,

नदी नद मद गैबरन के रलत है ।

ऐल फैल खैल भैल खलक में गैल बैल,

गजन की ठैल पैल सैल उसलत है ।

तारा सो तरनि धूरिधारा में लगत जिमि,

धारा पर पारा पारावार यों हलत है ।

(ब) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : 4

सामाजिक जीवन में क्रोध की जरूरत बराबर पड़ती है, यदि क्रोध हो तो मनुष्य दूसरों के द्वारा पहुँचाये जाने वाले बहुत से कष्टों की चिरनिवृत्ति का ही उपाय ना कर सके । कोई मनुष्य किसी दुष्ट के नित्य दो चार प्रहार सहता है । यदि उसमें क्रोध का विकास नहीं हुआ है, तो वह केवल 'आह' ऊँह करेगा । जिसका उस दुष्ट पर कोई प्रभाव नहीं । उस दुष्ट के हृदय में विवेक, दया आदि उत्पन्न करने में बहुत समय लगेगा ।

प्रश्न :

(क) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइये।

(ख) संक्षेप में सारांश लिखिये।

10. (अ) अपने क्षेत्र में ''स्वास्थ्य अधिकारी'' के नाम क्षेत्र की 'गंदगी' दूर करने के विषय में पत्र लिखिये। 5

(ब) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर निबन्ध लिखिये : 10

(*i*) वृक्षारोपण

(*ii*) दूरदर्शन से लाभ व हानियाँ

(*iii*) दहेज प्रथा एक सामाजिक बुराई है

(*iv*) विज्ञान वरदान है या अभिशाप ?